

**पैरोकार** पुं. (फा.) दे. पैरवीकार।

**पैरोड़ी** पुं. (अं.) किसी साहित्यिक रचना, कृति, या व्यंग्यात्मक कला की हास्यजनक नकल या व्यंग्यात्मक विडंबन कृति parody

**पैरोल** पुं. (अं.) दे. पैरोल parole

**पैलौठी** वि. (देश.) पहली संतान, पहला बच्चा, प्रथम प्रसव, पहलौठी पुं. पहलौठा।

**पैवंदकारी** स्त्री. (फा.) दे. पैवंदकारी।

**पैशाच** वि. (तत्. पैशाच+अण्) भूत-प्रेत की योनि से संबंध 1. पिशाच संबंधी, पिशाच का, पिशाचोचित, पैशाचिक 2. पिशाच देश का 3. पिशाचकृत, पिशाच द्वारा किया हुआ 4. क्रूरतापूर्ण, राक्षसी 5. विवाह के आठ प्रकारों में सबसे हीन या अधम प्रकार का विवाह जिसमें किसी सोई हुई या प्रमत्त कन्या से संभोग करने वाला उसका पति मान लिया जाता है।

**पैशाचिक** वि. (तत्. पिशाच+ठक्+इक) पिशाच संबंधी, पिशाच का, क्रूरतापूर्ण, निर्दयतापूर्ण, राक्षसी, नाटकीय उदा. पैशाचिक व्यवहार।

**पैशाचिकी** स्त्री. (तत्. पिशाच+ठक्+डीप्) पिशाच, विद्या, भूतविद्या, भूत, पिशाच, आदि के बारे में अध्ययन।

**पैशाची** स्त्री. (तत्. पैशाच+डीप्) 1. एक प्राचीन प्राकृत भाषा 2. किसी धार्मिक काम के अवसर पर दी जाने वाली भेंट 3. रात।

**पैशुन्य** पुं. (तत्. पिशुन+प्यज (य)) पर्या. पैशुन 1. परोक्ष निंदा, चुगलखोरी, चुगली, पीठ पीछे निंदा, पिशुनता 2. दुष्टता, गुंडागिरी, गुंडई, बदमाशी।

**पैसा** पुं. (फा.) 1. ताँबे का सिक्का जो पहले एक इकन्नी या आने का चौथा भाग और एक रुपए के चौंसठवे भाग के बराबर होता था, आजकल का पैसा रुपए के सौंवे भाग के बराबर होता है 2. धन-संपत्ति, दौलत मुहा. पैसे वाला- अमीर आदमी; पैसे वाली- अमीर महिला; पैसे खाना- रिश्वत खाना, घूस खाना, किसी को देय राशि या उधार लेकर, संबंधित व्यक्ति को न देना;

पैसे खिलाना- घूस देना, रिश्वत देना; पैसा फूँकना- धन का अपव्यय; पैसे की गर्मी- अमीरी का अहंकार; पैसे को दाँत से पकड़ना- कंजूस होना, आवश्यक खर्च भी न करना; पैसे-पैसे के मोहताज होना- बहुत गरीब होना।

**पोंछन** स्त्री. (तद्. <प्रोञ्छन) पर्या. पोछन, पोंछा 1. बर्तन में तैयार खाद्य वस्तु के भोजन के पश्चात्, बर्तन को पोंछने से प्राप्त अंश 2. किसी वस्तु, स्थान आदि को सफाई या पोंछने के काम में आने वाला कपड़ा आदि झाड़न।

**पोंछन कागज** पुं. (तद्.+फा.) सोखतानुमा कागज जिसपर या जिससे कोई वस्तु पोंछी जाए।

**पोंछना** स.क्रि. (तद्.) किसी वस्तु या जगह को हाथ या कपड़ा आदि फेरकर साफ कर देना।

**पोंछा** पुं. (तद्.) दे. 1. पोंछन पुं. पोंछने के काम आने वाली वस्तु 2. फर्श को साफ करने के लिए बनाया गया मोटा कपड़ा।

**पोई<sup>1</sup>** स्त्री. (तद्.) 1. किसी पौधे का अंकुर या कल्ला; अँखुआ; पौधे का नया उत्पन्न रूप 2. गन्ने की दो गाँठों के बीच का भाग, पोर 3. एक प्रकार का साग

**पोई<sup>2</sup>** स.क्रि. (तद्.) पिरोना, क्रिया का एक भूतकालिक रूप जैसे- उसने फूलों की माला पोई।

**पोखर** पुं. (तद्.) 1. छोटा तालाब 2. बड़ा गड्ढा जिसमें वर्षा का पानी इकट्ठा हो जाता है स्त्री. पोखरी बहुत छोटा तालाब, तलैया।

**पोच** वि. (फा.) अधम, नीच, तुच्छ, क्षुद्र, निकृष्ट, बुरा, कमीना, पाजी।

**पोट<sup>1</sup>** पुं. (तत्.) 1. घर की नींव 2. मेल।

**पोट<sup>2</sup>** पुं. (तत्.) स्त्री. (देश.) पोटली, गठरी।

**पोटना** सं.क्रि. (देश.) 1. समेटना 2. अपने हाथ में करना 3. बहकाकर, लालच देकर या प्रार्थना आदि से अपने पक्ष में कर लेना।

**पोटला** पुं. (देश.) बड़ी पोटली, बड़ी गठरी।

**पोटली** स्त्री. (तद्.) छोटी गठरी, छोटी थैली।